Date
09/05/20

B.Ed-IInd

Sub - "Work Education, Gandhiji's Nai Talim & community Engagement."

विद्यालय के द्वारा किए जाने वाले सामुदायिक कार्य = To be continued -

6. विकलांग अपंग और बीमार से उनकी आवश्यकताओं के बारे में बात करना।
7. बालकों द्वारा सामूहिक नाटक का मंचन, रंगमंच का आयोजन किया जा सकता है।
8. बाल-सभा में समुदाय को आमंत्रित करना।
9. आपदा बचाव और आपदा प्रबन्धन का ज्ञान प्राप्त करना।
10. मेहमान, वृद्ध, महिलाओं, बच्चों और विकलांगों का सम्मान करने की संस्कृति का ज्ञान प्रदान करना।
11. अपने आस-पास में भूजल, दोहन, बोरवेल और पानी के निर्वहन के व्यापक तौर तरीके की जानकारी लेना उसके कुप्रभावों का कहानियों द्वारा समाज में जागरूकता लाना।
12. प्रदूषण के लाभ व हानि के बारे में बताना।
13. महिला समानता के बारे में चर्चा व समस्या निवारण का अभ्यास।
14. संवैधानिक मूल्यों की वर्तमान स्थिति और चलन की जानकारी। पर स्कूल समुदाय में इसके प्रभावी अभ्यास के लिए गंभीर समीक्षा करना और प्रयास को आगे बढ़ाना।
15. समाज में फैली विभिन्न असमानताओं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, नागरिक भागीदारी सामाजिक न्याय और महिला असमानता के बारे में जागरूक करना।
16. सामाजिक मुद्दों पर समय-समय पर कार्यशाला की जानी चाहिए।
17. लिंग भेद जैसी समस्या से समाज को अवगत कराना।
18. शराब तम्बाकू के दुरुपयोग की समुदाय को जानकारी देना।
19. पारंपरिक व्यवसायों को बढ़ावा देने का प्रयास करना।
20 चिकित्सा सहायता व प्राथमिक चिकित्सा की मॉक ड्रील कराते रहना।
21. किसानों की समस्या को जानना व उनके समाधान का प्रयास करना।
22. देश व समाज के लिए हमेशा तत्पर रहना।
23. समाज में शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करना।

Scanned with CamScanner

24. समुदाय के प्रति छात्रों में सेवाभाव के भाव उत्पन्न करना।
25. विभिन्न संस्कृतियों में समन्वय करना।

विद्यालय एवं समाज के संबन्धों को विकसित करने के उपाय →

1. पाठ्यक्रम समाज की आवश्यकताओं के अनुकूल हो, अतः वह केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न हो बल्कि उसमें समाज की आकांक्षाओं एवं उपयोगिता का ध्यान रखा जाए।
2. विद्यालय को प्रौढ़ शिक्षा, मनोरंजन, खेलकूद आदि कार्यक्रमों का केन्द्र बनाया जाना चाहिए।
3. विद्यालय में छात्र व अध्यापक स्थानीय समुदाय के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर विद्यालय समुदाय में सहयोग स्थापित करने में सहायता कर सकते हैं।
4. विद्यालय में अध्यापक अभिभावक संघ की स्थापना की जानी चाहिए इससे विद्यालय को दो बच्चों की प्रगति के विषय में बताया जाना चाहिए इससे अभिभावक छात्रों की प्रगति एवं समस्याओं के समाधान की खोज कर सकते हैं।
5. विद्यालय अपनी प्रबन्ध कमेटियों में समुदाय के सदस्यों को उचित स्थान प्रदान करे। इससे उनमें सहभागिता तथा हितधारित्व की भावना का विकास होगा।
6. विद्यालय समुदाय के ऐतिहासिक, धार्मिक, वैज्ञानिक तथा शैक्षिक स्थलों पर विद्यार्थियों का शैक्षिक भ्रमण पर ले जाने का प्रबन्ध करे।
7. विद्यालय समुदाय के हित के लिए सार्वजनिक सफाई, वृक्षारोपण, पेयजल की व्यवस्था आदि योजनाओं को बढ़ावा दे सकता है।
8. राष्ट्रीय सेवा योजना, एन० एस० एस०, एन० सी० सी०, स्काउटिंग आदि कैंपों का आयोजन किया जाए जो समाज सेवा कर सके।
9.

Scanned with CamScanner